



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



योग को नियमित अभ्यास में शामिल करें : प्रो. कृष्ण कुमार सिंह हिंदी विश्वविद्यालय में मनाया 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

वर्धा, 21 जून, 2024 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 10वें विश्व योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि योग के कारण विश्व में भारत का गौरव बढ़ा है। योग हमारी पुरातन परंपरा से चला आ रहा है। जिसने भारतीय जनजीवन को संस्करित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। गीता में उद्धृत कर्मयोग, ज्ञानयोग तथा भक्तियोग से हम सब परिचित हैं। उन्होंने कहा कि योग सभी को मन से जोड़ने का काम करता है। व्यक्ति को समाज से



जोड़ना भी योग है। बिना योग से कुशलता संभव नहीं है। कुलपति ने कहा कि योग को अपने दैनंदिन जीवन में अपनाते हुए इसका नियमित अभ्यास करना चाहिए।

कुलसचिव तथा कार्यक्रम के संयोजक प्रो. आनन्द पाटील ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि योग कर्म की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। योग से योग्यता की प्राप्ति होती है। कुशलता के लिए योग जरूरी है। योग को समझे बिना योग्यता अर्जित नहीं की जा सकती। वर्तमान भोगवादी समाज में हमें अपने चेतन को जगाना हो तो उसके लिए योग आवश्यक है। हमें योग को जोड़ने के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग गतिशीलता का नाम है। योग वाणी का कम और कर्मशीलता का विषय अधिक है।

इस अवसर पर योग विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित योग प्रशिक्षक संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के आजीवन अध्ययन एवं विस्तार विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री आदित्य पुंड, श्री प्रयोग निस्ताने और सुश्री भारती पवार के निर्देशन में विभिन्न प्रकार के योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर वित्ताधिकारी पी. सरदार सिंह तथा अतिथि के रूप में

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahypro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय, अगरतला के वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. मुनीन्द्र मिश्र तथा राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा के उपनिदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा मंचासीन थे।

शुक्रवार, 21 जून को सुबह 07 बजे से विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचंद क्रीडांगन में विश्व योग दिवस मनाया गया। इस वर्ष योग दिवस का मुख्य विषय 'स्वयं और समाज के लिए योग' था। योग दिवस का प्रारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत से तथा



समापन राष्ट्रगान से किया गया। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने किया तथा जनसंचार विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. राजेश लेहकपुरे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सह-संयोजक के रूप में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिकेत आंबेकर ने भूमिका निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



दैनंदिन जीवनात योगाचा सराव करावा : प्रो. कृष्ण कुमार सिंह
हिंदी विश्वविद्यालयात 10 वा आंतरराष्ट्रीय योग दिन साजरा

वर्धा, 21 जून 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात 10 व्या विश्व योग दिनानिमित्त आयोजित कार्यक्रमाचे अध्यक्ष म्हणून बोलतांना कुलगुरू प्रो. कृष्ण कुमार सिंह म्हणाले की योगामुळे जगामध्ये भारताची शान वाढली आहे. योग आपल्या प्राचीन परंपरेपासून चालत आलेला आहे. योगाने भारतीय जीवनाच्या संस्कृतीकरणामध्ये महत्त्वाची भूमिका बजावली आहे. गीतेमध्ये सांगितलेल्या कर्मयोग, ज्ञानयोग आणि भक्तियोगाशी आपण सर्व परिचित आहोत. ते म्हणाले की योग प्रत्येकाला जोडण्याचे काम करतो. व्यक्तीला समाजाशी जोडण्यासाठीही योग महत्त्वाचे साधन आहे. योगासनाशिवाय कार्यक्षमता शक्य नाही. कुलगुरू म्हणाले की दैनंदिन जीवनात योगाचा अंगीकार करून त्याचा नियमित सराव केला पाहिजे.

कुलसचिव व कार्यक्रमाचे संयोजक प्रो. आनंद पाटील यांनी कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक करताना योग हा कर्माच्या दृष्टिकोनातून महत्त्वाचा असल्याचे सांगितले. योगाद्वारे योग्यता प्राप्त होते. कार्यक्षमतेसाठी योग आवश्यक आहे. योग समजून घेतल्याशिवाय योग्यता संपादन करता येत नाही. सध्याच्या भौतिकवादी समाजात आपली जाणीव जागृत करायची असेल, तर त्यासाठी योग आवश्यक आहे. आपण योगाला जोडणारा म्हणून पाहिले पाहिजे. ते म्हणाले की योग हे गतिशीलतेचे नाव आहे. योग हा बोलण्याचा कमी आणि कृतीचा जास्त विषय आहे.

यावेळी योगतज्ज्ञ म्हणून आमंत्रित संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालयातील आजीवन अध्ययन व विस्तार विभागाचे सहायक प्राध्यापक श्री आदित्य पुंड, श्री प्रयोग निस्ताने आणि भारती पवार यांच्या मार्गदर्शनाखाली विविध प्रकारची योगासने व प्राणायाम करण्यात आले. यावेळी वित्त अधिकारी पी. सरदार सिंह आणि अतिथी म्हणून त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय, आगरतळा येथील वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. मुनीन्द्र मिश्र आणि राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवाचे उपनिदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा हे मंचावर उपस्थित होते.

शुक्रवार, २१ जून रोजी सकाळी ७ वाजता विश्वविद्यालयाच्या मेजर ध्यानचंद क्रीडांगणावर जागतिक योग दिन साजरा करण्यात आला. यावर्षी योग दिनाचा मुख्य विषय 'स्वतः आणि समाजाकरीता योग' हा होता. योग दिनाची सुरुवात विश्वविद्यालयाच्या कुलगीताने आणि सांगता राष्ट्रगीताने झाली. कार्यक्रमाचे संचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे यांनी केले तर जनसंचार विभागाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. राजेश लेहकपुरे यांनी आभार मानले. कार्यक्रमाचे सह-संयोजक म्हणून सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिकेत आंबेकर यांनी भूमिका निभावली. यावेळी विश्वविद्यालयाचे अधिष्ठाता, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी व विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.